



2026:AHC:31794

इलाहाबाद उच्च न्यायालय

रिट - ए संख्या - 2120/2026

गौरव कुमार एवं अन्य

..... याचिकाकर्ता(गण)

बनाम

उत्तर प्रदेश राज्य एवं 3 अन्य

..... प्रत्यर्थी(गण)

याचिकाकर्ता(गण) के अधिवक्ता : नंद किशोर मिश्र, पवन कुमार त्रिपाठी

प्रत्यर्थी(गण) के अधिवक्ता : मुख्य स्थायी अधिवक्ता

न्यायालय संख्या - 33

माननीय न्यायमूर्ति विकास बुधवार।

1. रिट याचिकाकर्ताओं के विद्वान अधिवक्ता श्री नंद किशोर मिश्रा और राज्य के विद्वान स्थायी अधिवक्ता श्री राहुल मालवीय को सुना गया।
2. रिट याचिकाकर्ता की शिकायत यह है कि यद्यपि रिट याचिकाकर्ता से कनिष्ठ और समान स्थिति वाले अन्य कर्मियों का स्थानांतरण पीएसी से सशस्त्र पुलिस में कर दिया गया है, तथापि रिट याचिकाकर्ता के दावे पर विचार नहीं किया गया है।
3. दूसरी ओर, विद्वान स्थायी अधिवक्ता ने यह तर्क किया है कि रिट याचिकाकर्ता के दावे का निर्णय सर्वप्रथम प्रत्यर्थी संख्या 4, पुलिस महानिरीक्षक, पीएसी मुख्यालय, उ०प्र०, लखनऊ द्वारा किया जाना है।
4. दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तुत दलीलों पर विचार करते हुए, इस रिट याचिका का निस्तारण इस निर्देश के साथ किया जाता है कि रिट याचिकाकर्ता, रिट याचिका की स्व-प्रमाणित प्रति और आदेश की प्रमाणित प्रति के साथ, प्रत्यर्थी संख्या 4 के समक्ष एक विस्तृत अभ्यावेदन प्रस्तुत करे; जिस पर प्रत्यर्थी संख्या 4, आदेश की प्रमाणित प्रति प्रस्तुत किए जाने की तिथि से दो माह की अवधि के भीतर, कानून के पूर्णतः अनुरूप रहते हुए रिट याचिकाकर्ता के दावे पर विचार करने की कार्यवाही करेगा।

(माननीय न्यायमूर्ति विकास बुधवार।)

12 फरवरी, 2026

अस्वीकरण

"अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।"